संवेगात्मक रूप से अशांत बालक(Emotionally Disturbed Child)

संवेगात्मक तौर पर अशांत बच्चों के लिए कई और विशेषण ओं का प्रयोग भी होता है जैसे संवेगात्मक तौर पर पिछड़ा बालक संवेगात्मक रूप से विकलांग बालक के संवेगात्मक तौर पर परेशान बालक। खास बात यह है कि यह सभी स्थितियां संवेग से जुड़ी समस्याओं की तरफ इशारा करती हैं। ऐसी समस्याओं के लिए खास ध्यान और उपचार की जरूरत पड़ती है। ऐसे बच्चे जो संवेगात्मक तौर पर शांत रहते हैं। उनको खास तरह की शिक्षा की भी आवश्यकता पड़ती है। जिस समय संवेगात्मक और संवेगात्मक अशांत बच्चों की समस्या ज्यादा गंभीर ना हो तो उन्हें पहचाना या उनकी परेशानी को जानना बड़ा ही कठिन हो जाता है। क्योंकि गंभीर समस्या आसानी से समझ में आ जाती है । बच्चे का- तौर पर शांत होने एक अध्यापक के लिए समस्या हो सकती है तो दूसरे अध्यापक के लिए समस्या नहीं भी हो सकती है । इसलिए ऐसे बच्चों का पता मनोवैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की सलाह लेकर किया जाना चाहिए।

संवेगात्मक तौर पर अशांत बच्चों के प्रकार-

1-उत्पीड़ित बालक

2-व्यक्तित्व अस्तव्यस्ततावाले बच्चे

3-व्यवहार की अस्तव्यस्तता वाले बच्चे

उत्पीड़ित बालक-

*भगन परिवार के बालक

*प्रहारित बालक

2-व्यक्तित्व अस्तव्यस्ता वाले बच्चे

*आत्म घातक बालक

*आत्मविमोहित बालक

*अवसाद युक्त बालक

*खंडित मनसक बालक

3-व्यवहार अस्त-व्यस्तता वाले बालक

*क्रियात्मक बालक

*असंगत बालक

*विद्यालय भयभीत बालक

*आदर्श बालक

संवेगात्मक अशांति के कारण-

1-संवेगात्मक तौर पर अशांति और अस्थिरता का कुछ मनोवैज्ञानिक बालक और उसके अंतः क्रिया को मानते हैं इसको पारिस्थितिकी के प्रतिमान माना जाता है।

2-जैव भौतिक भी संवेगात्मक अशांति का एक कारण है।

3-संवेगात्मक अस्थिरता का एक कारण सामाजिक भी है प्रहारित बालक सामाजिक दोषों से ही हमेशा पीड़ित रहता है।

4-संवेगात्मक अस्थिरता का एक कारण व्यवहार भी है।

संवेगात्मक अशांत बालक की पहचान-

1-स्कूल में आज समायोजित तनाव व कुंठित बालक

2-अध्यापक द्वारा असामान्य बालकों की पहचान किया जाना।

3-परिवार में आक्रामक किया बहुत जिद्दी व्यवहार करने वाले बच्चे।

4-ज्यादा चुप और ज्यादा आक्रामक व्यवहार करने वाले बच्चों का अध्ययन।

संवेगात्मक तौर पर अशांत बालकों की शिक्षा-

1-आवश्यक अनुकूलन

2-विशेष तकनीकों का प्रयोग

3-कक्षा कक्ष नियंत्रण

4-उपचार व्यवस्था

5-बैठकों का आयोजन

6-विशेष कक्षा

7-व्यक्तिगत ध्यान

४-विशेष विद्यालय